उत्तरी सिसिली में पलैरमो के कैपूचिन कैटकोम्ज़ (तहखानों) में 1284 शव संरक्षित हैं, जिनमें 163 शव बच्चों के हैं। एक लड़की रोसालिया लोम्बार्डो की ममी तो विश्व विख्यात है, जो दो वर्ष की उम्र में निमोनिया से मर गई थी। इसे विश्व की सर्वाधिक खूबसूरत ममी कहा जाता है, क्योंकि इसका चेहरा बहुत अच्छी तरह संरक्षित है। अब शोधकर्ता एक्सरे तकनीक से इन मृत बच्चों के जीवन और मृत्यु के बारे में जानने का प्रयास कर रहे हैं। यह नया प्रोजेक्ट स्टैफर्डशायर युनिवर्सिटी की आर्किऑलजिस्ट क्रिस्टी स्क्वायर्स के नेतृत्व में शुरु होगा और इसमें 1787 से 1880 के बीच में मरने वाले 41 बच्चों का विश्लेषण किया जाएगा। इन बच्चों के अवशेष तहखानों में एक चाइल्ड चैपल में रखे हैं। स्क्वायर्स ने बताया, हमें उम्मीद है कि हम उनके विकास, स्वास्थ्य और पहचान को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। इसके अलावा, जिस तरह से शवों को परिरक्षित (ममिफाइ) किया गया और जो कपड़े इन्होंने पहने थे, उससे इनकी संस्कृति के बारे में पता चलेगा। जहाँ, सभी बच्चों ने पूरे कपड़े पहने हुए हैं, कुछ बच्चे पालने में हैं और कुछ कुर्सियों पर। परन्तु इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है कि ये कौन थे और इन्हें इस तरह से क्यों दफनाया गया था। स्क्वायर्स कहती हैं कि, शव की ममी बनाने की रस्म सिर्फ अमीर लोगों, जैसे सामंतों, मध्यमवर्ग और धर्माधीशों के लिए ही आरक्षित थी, इसलिए यह तो पता चलता है कि ये बच्चे गरीब नहीं थे। कैपुचिन के रोमन कैथलिक भिक्षुओं ने पलैरमो में सन् 1534 में एक मठ बनाया था उन्होंने ही ये तहखाने बनवाए थे। सोलहवीं सदी तक तो वो अपने मृत लोगों को सामूहिक कब्र में दफनाते रहे। जब यह गड्ढा भर गया तो उन्होंने नया मकबरा बनाया और मृत भिक्षुओं के शव वहां स्थानांतरित करने की तैयारी करने लगे, तब भिक्षुओं ने देखा कि जो 45 शव उन्होंने खोदकर निकाले उनके चेहरे पूर्ण संरक्षित थे और पहचाने जा रहे थे, तो उन्हें लगा कि यह दैवीय कृत्य है। भिक्षुकों ने इन शवों को नए मकबरे के तहखाने की दीवारों में बने आलों में प्रदर्शित कर दिया। सन् 1880 तक इन तहखानों का इस्तेमाल होता रहा। धीरे-धीरे यह क्षेत्र पर्यटन स्थल बन गया।

हरीश रावत अपने चुनाव लड़ने के मुद्दे पर भारी दुविधा में

कांग्रेस ने उत्तराखण्ड में 53 उम्मीदवार घोषित कर दिये हैं लेकिन बाकि बची 17 सीटों में हरीश रावत कहां से चुनाव लड़ेंगे यह तय नहीं हो पा रहा है

नैनीताल, 23 जनवरी (वार्ता)। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर बिसात बिछ गयी है। भाजपा व कांग्रेस की ओर से सैनिकों की घोषणा भी कर दी गयी है लेकिन कांग्रेस के सेनापति हरीश रावत अभी भी रणभूमि में उतरने को लेकर सौ फीसदी तैयार नहीं हैं। वह कहां से चुनाव लड़ेंगे, यह तय नहीं कर पा रहे हैं। वर्ष 2017 के चुनाव की तरह हरिद्वार ग्रामीण से लड़ेंगे या फिर कुमाऊं को अपनी कर्मभूमि बनायेंगे।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ने को लेकर एकदम तैयार है। उसने धामी को नेता घोषित किया है। भाजपा ने नामांकन से ऐन पहले 59 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर कांग्रेस से बाजी भी मार ली। कांग्रेस की ओर से भी गिरते पड़ते बीती देर रात को 53 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी गयी है। पर कांग्रेस अभी भी 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार तय नहीं कर पायी है। जिन सीटों पर पार्टी उम्मीदवार तय नहीं कर पायी है उनमें नरेन्द्र नगर, टिहरी, देहरादून कैंट, डोईवाला, ऋषिकेश, ज्वालापुर, झबरेड़ा, रूड़की, खानपुर, लक्सर, हरिद्वार ग्रामीण, चौबट्टाखाल, लैंसडॉन, सल्ट, लालकुआं, कालाढूंगी व रामनगर शामिल हैं। यही नहीं खास बात यह है कि सूची में सर्व हरीश रावत, हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हरक सिंह रावत व पार्टी के उपाध्यक्ष रणजीत रावत के नाम शामिल नहीं हैं। हरीश रावत तो खुद पार्टी के सेनापति हैं। उन्होंने दावा किया है कि वह चुनाव अभियान समिति के प्रभारी हैं। इसके बावजूद वह अपने चुनाव लड़ने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। वह कौन सी सीट से चुनाव लड़ेंगे यह तय नहीं कर पाये हैं। दरअसल हरीश रावत की मुश्किल यह है कि कुमाऊं में जिन सीटों पर अभी प्रत्याशी घोषित नहीं किये गये हैं, उनमें सभी सीटें वर्तमान में भाजपा के पास हैं। वर्तमान में उनके विधायक हैं। ऐसे में रावत सौ फीसदी सुरक्षित सीट की तलाश में हैं। उन्हें अल्पसंख्यक बहुल सीट की तलाश है।

कयास लगाये जा रहे हैं कि रावत के लिये हरिद्वार ग्रामीण व रामनगर सीट सबसे मुफीद हो सकती है लेकिन हरिद्वार ग्रामीण से चुनाव लड़ने पर उनके राजनीतिक विरोधी इसे बड़ा मुद्दा बना सकते हैं।

इसके बाद माना जा रहा है कि रामनगर सीट उनके लिये अधिक फायदेमंद हो सकती है। यहां अल्पसंख्यकों की संख्या यहां अच्छी खासी है लेकिन हरीश रावत को यहां से अपने धुर विरोधी रणजीत रावत से खतरा है। रणजीत रावत, हरीश रावत के लिये आसानी से मैदान खाली कर देंगे इसमें संशय है।

इनके अलावा हरीश रावत के पास कम विकल्प बचे हैं। माना जा रहा है कि अंत में वह लालकुआं से भी भाग्य आजमा सकते हैं लेकिन भाजपा भी इस स्थिति से वाकिफ है और उसने पहले से इस सीट पर अभी पत्ते साफ नहीं किये हैं। ऐसे में हरीश रावत के लिये एक तरफ कुआं तो दूसरी ओर खाई वाली स्थिति हो गयी है। गौरतलब है कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में हरीश रावत दो-दो विधानसभाओं हरिद्वार ग्रामीण व किच्छा से एक साथ चुनाव लड़े थे लेकिन वह दोनों जगह से बुरी तरह से हार गये थे। इसीलिये वह इस बार फूंक-फूंक कर कदम उठा रहे हैं।

- **दरअसल, हरीश रावत की मुश्किल यह है कि, अब बहुत कम सीटें बची हैं तथा कुमाऊं में जिन सीटों पर अभी प्रत्याशी घोषित नहीं किये गये हैं, उनमें सभी सीटें वर्तमान में भाजपा के पास हैं और वहाँ भाजपा की स्थिति मजबूत है।**

गोवा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारसेकर एक वरिष्ठ नेता हैं और राज्य में पार्टी अध्यक्ष रह चुके हैं। वह पार्टी की अन्य समितियों में भी थे और इसलिए उन्हें पता था कि जीतना भी महत्वपूर्ण है।

उनका इस्तीफा महत्वपूर्ण है। उन्होंने पार्टी छोड़ दी है, हालांकि सभी को निर्णय लेने का अधिकार है, उन्होंने कहा कि उन्हें (तनवड़े) भी एक बार पार्टी का टिकट नहीं दिया गया था लेकिन वह पार्टी के साथ बने रहे।

उन्होंने कहा, पारसेकर को पार्टी से लगभग सब कुछ मिला है। वह पार्टी अध्यक्ष, महासचिव और यहां तक कि मुख्यमंत्री भी रहे , फिर भी उन्हें लगता है कि विधायक होना अधिक महत्वपूर्ण है तो यह उनकी पसंद है।

करोना के चलते न्यूजीलैंड की प्र.मंत्री ने अपनी शादी रद्द की

प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने कहा कि, मैं देश से अलग नहीं हूं, अगर प्रतिबंध हैं तो वो मुझ पर भी लागू होंगे

वेलिंगटन, 23 जनवरी (वार्ता)। न्यूजीलैंड करोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर रेड अलर्ट घोषित कर दिया गया और इसकी वजह से प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डन ने रविवार को अपनी शादी रद्द कर दी।

द गार्जियन ने अखबार ने अर्डर्न के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ओमिक्रॉन ने न्यूजीलैंड में सीमाओं को तोड़ दिया है और समुदाय में फैलना शुरू कर दिया है और इसलिए पूरे देश को उच्चतम स्तर के प्रतिबंधों पर रखा जाएगा।

उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि इस तरह के मामलों की संख्या सुनने से लोगों को काफी परेशानी होगी। हम प्रसार को धीमा करने और करोना के मामलों को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।''

उन्होंने बताया कि ऑकलैंड में ओमिक्रॉन के नौ मामलों का पता चला है। उन्होंने कहा कि रविवार की आधी रात को देश को ''रेड'' अलर्ट के तहत रखा जाएगा।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री अर्डन ने ओमिक्रॉन के प्रकोप के कारण क्लार्क गेफोर्ड के साथ होने वाली अपनी शादी को भी रद्द कर दिया। यह शादी आने वाले हफ्तों में उत्तरी द्वीप के पूर्वी तट पर गिस्बोर्न में होने वाली थी।

उन्होंने कहा, ''ऐसा ही जीवन है। मैं कहने की हिम्मत नहीं कर पा रही हूं, न्यूजीलैंड के हजारों लोग, जिन्होंने महामारी के बहुत अधिक विनाशकारी प्रभाव महसूस किए हैं। इनमें से सबसे अधिक परेशानी किसी प्रियजन के साथ रहने में असमर्थता है, मैं गंभीर रूप से बीमार हूं। यह मेरे द्वारा अनुभव किए गए किसी भी दुख से कहीं और अधिक होगा।''

- **प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने बताया कि, ऑकलैंड में ओमक्रॉन के 9 मामलों का पता चला है। देश की सुरक्षा के लिए शीघ्र कड़े प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक है।**
- **प्रधानमंत्री अर्डन की शादी क्लार्क गेफोर्ड के साथ होने वाली थी। यह शादी आने वाले हफ्तों में न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप के पूर्वी तट पर गिस्बोर्न में होने वाली थी।**

'केन्द्र सरकार के हालिया घटनाक्रम'

पणजी, 23 जनवरी (वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो जहर बोया था उसे अब काट रही है और यह इसी तथ्य से स्पष्ट है कि इसके नेताओं ने पार्टी को छोड़ना शुरू कर दिया है।

चिदम्बरम ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवार एकजुट हैं और पार्टी को राज्य में एक स्थिर सरकार बनाने के लिए बहुमत मिलने का भरोसा है। उन्होंने कहा, गोवा के पिछले इतिहास को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है।

- **चिदम्बरम ने कहा कि, बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी से गांधी जी की प्रिय धुन को बदलने से देश की आत्मा को चोट पहुंची है।**

कांग्रेस पार्टी एकजुट होकर लड़ेगी और हमें उम्मीद है कि यहां की जनता हम पर विश्वास करेगी। बीटिंग रिट्रीट समारोह की धुनों की सूची से इस बार महात्मा गांधी के पसंदीदा ईसाई भजन 'अबाइड विद मी' को हटाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चिदंबरम ने कहा कि घटनाक्रम से देश के लोगों को चोट पहुंची है।

श्रीलंका की नौसेना 105 भारतीय जहाज़ों की नीलामी करेगी

रामेश्वरम, 23 जनवरी (वार्ता)। श्रीलंकाई सरकार ने अपनी बंदरगाहों पर खड़े ज़ब्त किये गए भारतीय मछुआरों के 105 जहाज़ों को नीलाम करने का फैसला किया है। यह नीलामी सात से 11 फरवरी तक आयोजित की जाएगी।

श्रीलंका के मत्स्य पालन और जलीय संसाधन विकास विभाग के महानिदेशक एस.जे.कहवाट्टा के हवाले से आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां कहा, श्रीलंकाई नौसेना ने भारतीय मछली पकड़ने वाले इन जहाज़ों को विभिन्न अवसरों पर श्रीलंकाई जल में अवैध रूप से मछलियां पकड़ने के लिए जब्त कर लिया था। कहवट्टा ने कहा कि मत्स्य विभाग कानूनी कार्यवाही समाप्त होने के बाद अगले महीने एक सार्वजनिक नीलामी में करीब 105 भारतीय जहाज़ों का निपटान करेगा। कहवट्टा के अनुसार जब्त किये गई जहाज़ नीलाम करने का निर्णय लिया गया क्योंकि वो या तो आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं या प्रयोग करने योग्य नहीं हैं। इसके अलावा ये जहाज़ वर्षों से नौसेना के घाटों में लंगर डाले हुए हैं ।

चीन आर्मी ने भारतीय युवक के अपने पास होने की बात स्वीकारी

चीन की आर्मी ने कहा है कि, हमने अरूणाचल प्रदेश से लापता हुए युवक को ढूंढ़ लिया है

नई दिल्ली, 23 जनवरी (वार्ता)। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) ने पुष्टि की है कि उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के लापता युवक को ढूंढ लिया है और उचित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है।

असम के तेजपुर स्थित रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी (पी.आर.ओ.) लेफ्टिनेंट कर्नल हर्षवर्धन पांडे ने रविवार को यह जानकारी दी।

लेफ्टिनेंट कर्नल पांडे ने बताया, युवक इसलिए चीनी सीमा में प्रवेश कर गया क्योंकि इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) की कोई आधिकारिक दीवार या सीमांकन नहीं है, वहां केवल जंगल है। इसके कारण पी.एल.ए. ने उसे हिरासत में लिया है और स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार कागजी कार्रवाई की जा रही है। लापता युवक मिराम टारोन की वापसी से पहले की औपचारिकताओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सेना भी उसी प्रक्रिया का पालन करती है, जब चीनी पक्ष से कोई भारतीय पक्ष में आता है।इससे पहले, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिजियन झाओ ने बीजिंग में एक प्रेस वार्ता में कहा था, मुझे स्थिति की जानकारी नहीं है। चीनी पी.एल.ए. कानून के अनुसार सीमाओं को नियंत्रित करता है और अवैध प्रवेश और निकास गतिविधियों पर नकेल कसता है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के सांसद तपीर गाओ ने दावा किया था कि अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले में भारतीय क्षेत्र के लुंगटा जोर इलाके से चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पी.एल.ए.) द्वारा युवक का अपहरण किया गया और उसके ठिकाने का पता नहीं था। भारतीय सेना ने हॉटलाइन के माध्यम से चीनी पी.एल.ए. से संपर्क किया था और अपनी तरफ से युवक का पता लगाने और स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार उसे वापस करने के लिए उसकी सहायता मांगी थी। सूत्रों ने यह भी कहा कि जब युवक शिकार करने और जड़ी-बूटी इकट्ठा करने के लिए इलाके में गया तो वह रास्ता भटक गया।घटना अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले के लुंगटा जोर इलाके की है। तापीर गाओ ने बताया, एक अन्य युवक जॉनी येइंग पी.एल.ए. के चंगुल से भाग निकला।

- **चीन की आर्मी का कहना है कि, हम युवक की भारत वापसी के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही कर रहे हैं।**

'मुझे मुस्लिम होने के कारण ब्रिटिश मंत्री पद से हटाया गया'

ब्रिटेन की सांसद नुसरत गनी ने भेदभाव का आरोप लगाया

लंदन, 23 जनवरी (वार्ता)। ब्रिटेन की संसद की सदस्य नुसरत गनी ने रविवार को आरोप लगाया कि उन्हें मुस्लिम होने के कारण मंत्री पद से हटाया गया था हालांकि ब्रिटेन के मुख्य सचेतक मार्क स्पेंसर ने कंजर्वेटिव सांसद के इस आरोप का खंडन किया है। गनी को 2020 में एक फेरबदल में परिवहन मंत्री पद से हटा दिया गया था। द संडे टाइम्स के अनुसार नुसरत ने कहा कि उन्हें एक सचेतक द्वारा बताया गया था कि डाउनिंग स्ट्रीट की एक बैठक में उनकी मुस्लिम अस्मिता का मुद्दा उठाया गया था। साथ ही बैठक में यह भी कहा गया था कि मुस्लिम महिला का मंत्री होना सहयोगियों को असहज महसूस कराता था। गनी ने आगे कहा कि उन्होंने इस मामले को तब छोड़ दिया जब उन्हें बताया गया कि अगर वह इस मुद्दे को उठाती हैं तो उन्हें बहिष्कृत कर दिया जाएगा और उनका करियर और प्रतिष्ठा नष्ट हो जाएगी। बी.बी.सी. के अनुसार, कंजर्वेटिव चीफ व्हिप मार्क स्पेंसर ने खुद को वह व्यक्ति बताया है जिसके बारे में नुसरत गनी ने दावा किया है। यह आरोप पूरी तरह से असत्य हैं। स्पेंसर ने ट्विटर पर कहा, यह निराशाजनक है कि जब गनी के सामने इस मुद्दे को उठाया गया तो उन्होंने इस मामले को औपचारिक जांच के लिए कंजर्वेटिव पार्टी को भेजने से मना कर दिया।

- **गौरतलब है कि, नुसरत गनी को 2020 में एक फेरबदल में परिवहन मंत्री पद से हटा दिया गया था।**

नया सहयोगी मिलने के बाद असम में भाजपा और मजबूत हुई

गुवाहाटी, 23 जनवरी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि विपक्षी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बी.पी.एफ.) अब से राज्य विधानसभा के भीतर सत्तारूढ़ भाजपा और उसके अन्य गठबंधन सहयोगियों का हिस्सा होगा।

बता दें कि बी.पी.एफ. और बीजेपी ने 2020 में बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बी.टी.सी.) के चुनाव के दौरान रास्ते अलग कर लिए थे। जबकि बीजेपी ने बी.टी.सी. में सत्ता में आने के लिए यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यू.पी.पी.एल.) के साथ हाथ मिलाया और 2021 के विधानसभा चुनावों में गठबंधन जारी रखा, वहीं बी.पी.एफ. कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा बन गया। विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद बी.पी.एफ. ने खुद को कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग कर लिया था।

सरमा ने कहा, ''मौजूदा राजनीतिक माहौल को ध्यान में रखते हुए और विधायिका में विधेयकों को सुचारू रूप से पारित करने के लिए उचित विचार-विमर्श के बाद हमने राज्य विधानसभा के अंदर एक मित्र पार्टी के रूप में बी.पी.एफ. का स्वागत करने का फैसला किया है।'' सी.एम. सरमा ने कहा कि अब से बी.पी.एफ. विधायक विधानसभा में ट्रेजरी बेंच का हिस्सा होंगे। यह समझौता बी.पी.एफ. विधायक दल के साथ है और विधानसभा तक ही सीमित है और हम पार्टी के साथ किसी भी राजनीतिक समझौते पर नहीं पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि इस कदम से पहले यू.पी.पी.एल. की सहमति ली गई थी। इसके साथ ही 126 सदस्यीय राज्य विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन की ताकत बढ़कर 81 (बीजेपी-62, यू.पी.पी.एल.-7, असम गण परिषद-9 और बी.पी.एफ.-3) हो गई, जबकि विपक्ष की संख्या 44 हो गई। एक सीट खाली पड़ी है।

सरमा ने प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) द्वारा आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के बहिष्कार का आह्वान नहीं करने के कदम का स्वागत किया।

- **बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया।**

कर्नाटक में एक ही दिन में करोना के 50 हजार नये मामले सामने आये

पिछले दिनों गृह मंत्री की पदयात्रा में तैनात हुए 60 प्रतिशत पुलिसकर्मी कोविड पॉज़िटिव पाये गये हैं

नई दिल्ली, 23 जनवरी। देश में करोना संक्रमण के मामले पिछले तीन दिनों से लगातार कम हो रहे हैं। परंतु, अगर हम पिछले सात दिन की बात करें तो इस दौरान संक्रमण के मामले 33 प्रतिशत बढ़े हैं जबकि मौतों में 44 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस दौरान दुनियाभर में संक्रमण के मामलों में आठ प्रतिशत और मौतों में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, रविवार शाम जारी हुए आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटों के अंदर करोना के 9,197 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान 13,510 रिकवरी और 34 मौतें दर्ज की गईं हैं। दिल्ली में पाजिटिविटी रेट 13.32 और सक्रिय मामले 54,246 हैं।

कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के अंदर करोना के 50,210 नए मामले आए और 22, 842 मरीज ठीक हुए हैं। पिछले 24 घंटों में करोना से 19 लोगों की मृत्यु हुई है। राज्य में करोना के सक्रिय मामले 3 लाख 57 हजार 796 (3,57,796) और पाजिटिविटी दर 22.7 प्रतिशत है। कर्नाटक के गृह मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र ने राज्य में कोविड के प्रसार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए रविवार को आरोप लगाया कि मेकेदातु पदयात्रा में तैनात 60 प्रतिशत पुलिसकर्मी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं।

ज्ञानेंद्र ने संवाददाताओं से कहा कि मेकेदातु पदयात्रा में तैनात किए गए 60 प्रतिशत पुलिसकर्मियों के कोविड संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उनके परिवार भी वायरस की चपेट में हैं। कोलार, तुमकुरु, मांड्या, रामनगर और हासन जिलों में हजारों लोग कोविड से संक्रमित हुए हैं। कांग्रेस की पदयात्रा राज्य में कोविड 'सुपर स्प्रेडर' साबित हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कांग्रेस से लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पदयात्रा स्थगित करने का अनुरोध किया था, लेकिन उसने इसे आगे बढ़ा दिया, जिससे यह प्रतिष्ठा का मुद्दा बन गया और अब कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार आरोप लगा रहे हैं कि कोविड को अनुबंधित करने वाले 60 प्रतिशत पुलिसकर्मियों के आंकड़े फर्जी हैं।

उन्होंने कहा , शिवकुमार एक अनुभवी नेता हैं और पहले भी मंत्री रह चुके हैं। वह जानते हैं कि आंकड़े कैसे आते हैं। यह एक आदमी का काम नहीं है, बल्कि कई विशेषज्ञ और लोग इसमें शामिल होते हैं। अगर कांग्रेस नेता के पास कोई दस्तावेज है, तो उन्हें सरकार के सामने पेश करें। फिर हम इस पर गौर करेंगे।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में आज 2,550 नए कोविड मामले दर्ज किए गए और यहां सक्रिय मामले 19,808 हैं। गुजरात में पिछले 24 घंटों के अंदर 16,617 नए मामले सामने आए और 19 लोगों की मौत हुई। राज्य में सक्रिय मामले 1,34,000 के पार हो गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में 6,253 नए कोविड मामले सामने आए। जम्मू में 1,754 और कश्मीर में 4,499 मामले दर्ज किए गए। केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 42,866 है। 22 जनवरी को बिहार में 2,768 नए कोविड मामले सामने आए और 2 मौतें दर्ज की गई; राज्य में सक्रिय मामले 17,848 हैं। आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों के अंदर करोना के 14,440 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान राज्य में 3,969 रिकवरी और 4 मौतें दर्ज की गई। राज्य में अब करोना के कुल सक्रिय मामले 83,610 हैं।

हॉलीवुड के विख्यात अभिनेता लिओनार्डो डीकैप्रिओ लम्बे अर्से से पर्यावरण के लिए बहुत मुखर रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत काम किया है। वैज्ञानिकों ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए गंभीर रूप से संकट ग्रस्त एक पादप (प्लांट) का नाम उनके नाम पर रखा है। यह इस वर्ष का पहला पौधा है जिसका वैज्ञानिकों ने नामकरण किया है। कैमरून के एबो फॉरेस्ट में पाया जाने वाला यह एक सदाबहार वृक्ष है और इसका नाम रखा गया है युवैरिऑप्सिस डीकैप्रिओ। चमकीली हरी-पीली पत्तियों वाला यह वृक्ष 13 फीट तक लम्बा हो जाता है। शोधकर्ताओं ने ट्रॉपिकल एबो फॉरेस्ट को बचाने का श्रेय डीकैप्रिओ को दिया। यू.के. के रॉयल बॉटैनिकल गार्डन, क्यू, के शोधकर्ताओं ने इस वृक्ष का अध्ययन किया तथा शोध लेखक मार्टिन चीक ने कहा कि "गत वर्ष एबो के संरक्षण के लिए चलाए गए अभियान में लिओ ने हमारी जो सहायता की हम उसकी सराहना करते हैं इसलिए उनके सम्मान में हमने इस वृक्ष, जो सिर्फ इसी जंगल में मिलता है, का नामकरण उनके नाम पर किया है।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908